

आदेश की संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख के साथ
-------------------------	--------------------------------	---

6.1.15

सारण समाहरणालय, छपरा।
 न्यायालय जिला दण्डाधिकारी, सारण, छपरा
 जिला विधि प्रशाखा
 विविध अपील (पर्चा) सं० 13/2000
 कलावती देवी एवं अन्य
 बनाम
 चन्द्रिका राय एवं अन्य
 आदेश

यह अपील कलावती देवी, पति-कपिल देव सिंह, अजय कुमार सिंह एवं संजय कुमार सिंह, दोनों पिता-कपिल देव सिंह, सा०-वनकरवा, पो०-परसौना, थाना-परसा, जिला-सारण के द्वारा भूमि सुधार उप समाहर्ता, सदर, छपरा के द्वारा गृहस्थल वाद सं० 11/97-98 में पारित आदेश के विरुद्ध दाखिल किया गया है।

उक्त अपील वाद का संक्षिप्त इतिहास यह है कि प्रस्तुत मामले में प्रश्नगत भूमि पर वासगीत पर्चा संबंधित प्रस्ताव अंचलाधिकारी, परसा के द्वारा भूमि सुधार उप समाहर्ता को प्रेषित किया गया था, जिसे भूमि सुधार उप समाहर्ता, सदर के द्वारा अस्वीकृत कर देने के कारण यह अपील आवेदन अपीलार्थियों के द्वारा दायर किया गया था। संदर्भित अपील सर्वप्रथम अपर समाहर्ता के न्यायालय में दायर किया गया। अपर समाहर्ता के न्यायालय के कार्यक्षेत्र के बाहर होने के कारण उक्त अपील पर कोई आदेश पारित नहीं करके अपर समाहर्ता, सारण के द्वारा अपीलार्थी को समक्ष न्यायालय में अपील दायर करने का निर्देश दिया गया, जिसके आलोक में अपीलार्थियों के द्वारा समाहर्ता न्यायालय में अपील दायर किया गया है।

अपील वाद के प्रतिवादी के विज्ञ अधिवक्ता का यह कहना है कि अपीलार्थी भूमिहीन नहीं है और इस संबंध में उनके द्वारा कतिपय साक्ष्य न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। अपीलार्थी के पास पक्का मकान, बोलेरो गाड़ी एवं काफी सम्पत्ति है और वे किसी भी तरह से वासगीत पर्चा देने की लिए उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं। उनके द्वारा यह भी बतलाया गया कि प्रश्नगत भूमि जो खतियान में गैर मजरूआ मालिक गढ़हा के नाम से दर्ज है। कुल रकवा पाँच कट्ठा 18 धुर है, में से गड़डे को भराकर तीन कट्ठा धुर में



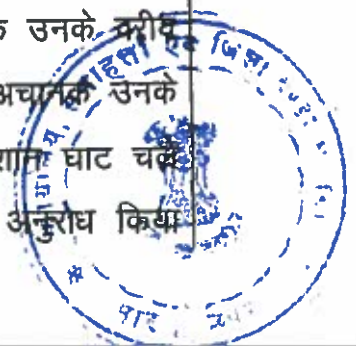
(Handwritten signature)

विद्यालय का भवन बना दिया गया है। अवशेष भूमि का विद्यालय के मैदान के रूप में उपयोग किया जा रहा है। विद्यालय के उपर्युक्त भूमि का अपीलार्थी के द्वारा वासगीत पर्चा दिए जाने की माँग की जा रही है। प्रतिवादी के विज्ञ अधिवक्ता के द्वारा यह भी बतलाया गया कि प्रतिवादी भूमिहीन होने के कारण वासगीत पर्चा के लिए दावा करते हैं। वे अपना दावा (claim) सार्वजनिक हित में अर्थात् विद्यालय के मैदान के रूप में उक्त भूमि को उपयोग में लाए जाने के प्रयोजन हेतु छोड़ सकते हैं।

प्रतिवादी के विज्ञ अधिवक्ता के द्वारा बतलाया गया कि उक्त विषय से संबंधित एक अन्य ग्रामीण श्री बलीन्द्र सिंह, पिता-स्व० रामदेनी सिंह, सा०-वनकेरवा, पो०-परसौना, थाना-परसा, जिला-सारण के द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में वाद सं० 15487/12 दायर किया गया, जिसमें माननीय उच्च न्यायालय, पटना के द्वारा दिनांक 12.3.14 को पारित आदेश पारित किया गया कि उक्त सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण से संबंधित तमामले के निष्पादन के लिए समाहर्ता, सारण स्वयं जाँच करें या किसी अन्य सक्षम पदाधिकारी से जाँच करावें। श्री बलीन्द्र सिंह के द्वारा पारित न्यायादेश की सच्ची प्रतिलिपि के साथ आवश्यक कार्रवाई करने हेतु आवेदन पत्र सन्निहित किया गया।

माननीय उच्च न्यायालय, पटना के उक्त आदेश के आलोक में अधोहस्ताक्षरी के द्वारा इस न्यायालय के ज्ञापांक 832 दिनांक 15.7.14 के द्वारा अंचलाधिकारी, परसा को आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया गया। अंचलाधिकारी, परसा के द्वारा अतिक्रमण हटाने से संबंधित कार्रवाई प्रारंभ की गयी, जिसमें विपक्षी के द्वारा अंचलाधिकारी को बताया गया कि समाहर्ता, सारण के न्यायालय में उनके द्वारा दाखिल पर्चा अपील सं० 13/2000 विचाराधीन है, जिसके निष्पादन के पश्चात् ही किसी प्रकार की कार्रवाई विधि-सम्मत होगी। इस संबंध में अंचलाधिकारी, परसा के पत्रांक 625 दिनांक 23.12.14 के द्वारा पत्र प्रेषित करते हुए अनुरोध किया गया कि उक्त पर्चा अपील सं० 13/2000 में सुनवाई करके यथाशीघ्र यथोचित आदेश पारित करने की कृपा की जाए।

अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता के द्वारा बताया गया कि उनके करीब अधिवक्ता श्री रविन्द्रनाथ सिंह को बहस करना था, लेकिन अचानक उनके किसी नजदीकी व्यक्ति की मृत्यु हो जाने की वजह से शमशांति घाट चले गए, इसलिए सुनवाई की अगली तिथि निर्धारित करने का अनुरोध किया





गया। चूँकि उक्त मामले में माननीय उच्च न्यायालय में दायर वाद सं० 15487/2012 में एम०जे०सी० दायर कर दिया गया है, इसलिए समाहर्ता, सारण के द्वारा उनके अनुरोध को स्वीकार नहीं किया गया एवं उक्त मामले की सुनवाई दोनों पक्षों के विज्ञ अधिवक्ताओं की उपस्थिति में की गयी।

दोनों पक्षों के विज्ञ अधिवक्ताओं को सुनने एवं अभिलेख में रक्षित कागजातों के परिसीलन के उपरान्त मैं यह पाता हूँ कि अंचलाधिकारी, परसा के द्वारा वासगीत पर्चा से संबंधित प्रस्ताव भूमि सुधार उप समाहर्ता, सदर, छपरा को भेजा जाना अपने आप में गलत है। उन्हें अपने स्तर से ही इसका निष्पादन कर देना चाहिए था। पुनः भूमि सुधार उप समाहर्ता, सदर, छपरा के द्वारा इसमें किसी प्रकार का आदेश पारित करना अपने आप में गलत था। उन्हें किसी प्रकार का आदेश पारित नहीं करना चाहिए था। चूँकि उक्त भूमि का सार्वजनिक हित में उपयोग किया जा रहा है, इसलिए इस पर किसी भी व्यक्ति को वासगीत पर्चा निर्गत करना उचित नहीं है। अतः अपीलार्थियों के द्वारा दिए गए अपील आवेदन को अस्वीकृत किया जाता है।

वाद निष्पादित।

लेखापित एवं संशोधित


जिला दण्डाधिकारी
सारण, छपरा।

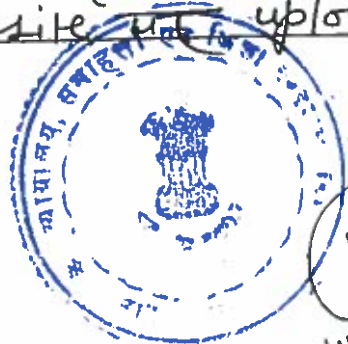

जिला दण्डाधिकारी
सारण, छपरा।


जापां० 12 मु(ज) / ज्ञा/दितां० 14.1.2015

प्रतिलिपि - भूमि सुधार उप समाहर्ता, सदर, छपरा को सूचनार्थ एवं आवश्यक कर्तव्य उचित।

प्रतिलिपि - अंचल अधिकारी, परसा को सूचनार्थ एवं आवश्यक कर्तव्य उचित।

प्रतिलिपि - जिला सूचना एवं विज्ञान पत्राधिकारी NRC, साण को उक्त आदेश को इस जिले के website पर उपलब्ध करने हेतु उचित।




वकील उप समाहर्ता
जिला विधि शाखा
सारण, छपरा।
14/1/15